1. आओ पवित्र आत्मा

हे पवित्र आत्मा । आओ आओ
हमारी आत्मा में चैन पाओ

1. आओ तुम शान से । स्वर्ग के सम्मान से
   भर दो हमारे दिल । अपने ही प्राण से
2. आओ तुम आत्मा । बदलो जहान को
   सुख-शान्ति हो यहाँ । सबका कल्याण हो

हम प्रार्थना करें

हे परमपिता, जो अपने सच्चे बंदों के हृदय को आलोकित करता है, पवित्र आत्मा के प्रकाश से-हमें भी उसी आत्मा से प्रकाशित कर ! ताकि हम हर विषय में निर्णय ले सकें, और उससे भी अधिक आनन्दित हो सकें, उसके साये में, हमारे प्रभु ख्रीस्त के द्वारा.

2. पश्चाताप की प्रार्थना

हे परमपिता परमेश्वर, हमारा विश्वास तुझ में, हमारी आशा तुझमें, हम तुझे सबसे अधिक प्यार करते हैं - पूर्ण आत्मा से, पूर्ण ह्रदय से, पूर्ण शक्ति से. हम तुझे प्यार करते हैं क्योंकि तू अनन्त तक श्रेष्ठ है, प्यार के सुयोग्य है, और क्योंकि हम तुझे प्यार करते हैं, इसलिये पश्चाताप भी करते हैं, हमने तेरा अपमान किया हम पापी हैं, हमें क्षमा कर । आमेन

3. संत पापा के उद्देश्यों के लिये

हे हमारे पिता

हे हमारे पिता जो स्वर्ग में है, तेरा नाम पवित्र किया जाय तेरा राज्य आये तेरी इच्छा जैसे स्वर्ग में वैसे पृथ्वी पर भी पूरी हो । हमारा प्रतिदिन का आहार आज हमें

दे, और हमारे अपराध हमें क्षमा कर, जैसे हम भी अपने अपराधियों को क्षमा करते हैं, और हमको परीक्षा में न डाल, परंतु बुराई से बचा । आमेन ।

प्रणाम मरिया

सब - प्रणाम मरिया कृपा पूर्ण प्रभु तेरे साथ है, धन्य तू स्त्रियों में और धन्य तेरे गर्भ का फल, येसु । हे सन्त मरिया परमेश्वर की माँ, प्रार्थना कर हम पापियों के लिए, अब और हमारे मरने के समय । आमेन ।

परमपिता का यश

पिता और पुत्र और पवित्र आत्मा की महिमा हो, जैसे वह आदि में थी, अब है और अनन्त काल तक सदा रहेगी । आमेन ।

4. माता मरियम से प्रार्थना

तेरी शरण में हम दौड़ आते हैं, हे परमेश्वर की पवित्र माँ । जो विनती हम अपनी ज़रूरतों में करते हैं, उसको अस्वीकार मत कर लेकिन हे प्रतापी और धन्य कुआँरी, हमको सदा सब जोखिमों से बचा ।

पुरोहित : हे नित्य सहायक माता तेरा नाम विश्वास जगाये

सब : सहायता कर ओ प्यारी माँ

पु. : कि हम सच्चे मन से भगवान से प्रेम और उसकी सेवा करें

सब : सहायता कर ओ प्यारी माँ

पु. : कि हम कभी प्रार्थना से विमुख न होवें

सब : सहायता कर ओ प्यारी माँ

पु. : कि हम पावनता के विरुद्ध किसी आकर्षण में न आएं

सब : सहायता कर ओ प्यारी माँ

पु. : कि हम पापों में घिरने के दुर्भाग्य से पहले उठ सकें

सब : सहायता कर ओ प्यारी माँ

पु. : कि हम कड़ी मेहनत से अपने अपराधी कर्मों से छुटकारा पाएं

सब : सहायता कर ओ प्यारी माँ

पु. : कि हम साहस के साथ संसार के प्रलोभनों से बच सकें बुरी संगत से दूर रहें बुरी पुस्तकों और बुरी फ़िल्मों से दूर रहें

सब : सहायता कर ओ प्यारी माँ

पु. : कि हम पावन संस्कारों को ग्रहण कर सकें और अपना ख्रीस्त कर्तव्य और जीवन की सेवा कर सकें

सब : सहायता कर ओ प्यारी माँ

पु. : कि हम धैर्य के साथ हर परीक्षा में सफल

रहें और जीवन के दुखों से छूट सकें

सब : सहायता कर ओ प्यारी माँ

पु. : बीमारियों और दुःखों में, निर्धनता और परेशानियों में

सब : सहायता कर ओ प्यारी माँ

पु. : कि हम प्रतिदिन अपना जीवन, भले के लिए बदल सकें

सब : सहायता कर ओ प्यारी माँ

पु. : कि हम सदा तुझे प्यार करते रहें और तेरी सहायता पाने की प्रार्थना करें

सब : सहायता कर ओ प्यारी माँ

पु. : कि हम सबको प्यार, सेवा और प्रार्थना के लिए प्रोत्साहित कर सकें

सब : सहायता कर ओ प्यारी माँ

पु. : कि जब मृत्यु निकट हो और हम अनन्त यात्रा के लिए तय्यार हों

सब : सहायता कर ओ प्यारी माँ

पु. : हमारे जीवन के अन्त समय में अंतिम साँस के समय तेरा संरक्षण मिले

सब : सहायता कर ओ प्यारी माँ

पु. : हमारे लिए सहायता कर हे नित्य सहायक माता

सब : कि हम ख्रीस्त की प्रतिज्ञाओं के योग्य बन जायें -

हम प्रार्थना करें

हे परमपिता परमेश्वर, हे दयालु, मानवता को बचाने के लिए तूने माता मरियम को आशीर्वाद दिया कि वो तेरे इकलौते बेटे की माँ बने । हम प्रार्थना करते हैं कि उसकी मध्यस्थता द्वारा हम पापों के सम्पर्क से बचें और पावन मन से तेरी सेवा करें उन्हीं प्रभु ख्रीस्त के द्वारा । आमेन ।

5. निवेदन व धन्यवाद पत्रों का पढ़ना

6. नोवेना प्रार्थना

हे नित्य सहायक माता, हम दुःखी और पापी तेरे चरणों में हैं, हमें देख । हमने तुझमें समर्पण किया है और अपना विश्वास तुझ पर रख दिया है । ओ नित्य सहायक माता हम पर दया कर । हमने तेरा पावन नाम सबसे सुना । तू पापियों की आशा और भरोसा, तो हमारी भी आशा और भरोसा बन । प्रभु येसु के प्रेम के लिए सहायता कर । हम तक अपना हाथ बढ़ा । हम एक पापी । जो अब तुझ पर समर्पित होते हैं, तेरे सच्चे सेवक के रुप में । हम भगवान को उसकी दया के लिए धन्यवाद देते हैं । और तुझमें विश्वास करते हैं । तू हमारी परम मुक्ति में आश्वासन बन ।

अफ़सोस कि पहले भी कई बार हमारा पतन हुआ - क्योंकि हम तुझे जान न सके । हमें पता है तेरी सहायता के साथ हम जीवन में विजय पायेंगे । हमें पता है तू हमारी सहायता करेगी यदि हम तुझ पर समर्पण करें किन्तु हमें पतन के समय डर लगता है । हम शायद पुकार न सुन सकें और अपनी आत्मा भी खो बैठें । यही विश्वास तुझसे चाहते हैं । हम प्रार्थना करते हैं जैसी भी हम कर सकें क्योंकि हमें तेरी दया पानी है विशेषकर भगवान से दूर होने पर सज़ाओं से बचने के लिए । हम हमेशा तुझे वन्दन करें और तेरा नाम पुकारें । हे नित्य सहायक माता हमारी सहायता कर । हम अपने भगवान से दूर न होवें इसलिए हमारी सहायता कर । आमेन ।

पु. : हे नित्य सहायक माता

सब : हमारे लिए प्रार्थना कर ! (तीन बार)

हे संत मरिया - अभागों की सहायता कर ! विश्वासहीन ह्रदय की सहायता कर । उन्हें हंसा जो रोते हैं । सबके लिए प्रार्थना कर ! पुरोहितों की सहायक बन ! हर नारी की मध्यस्थ बन ! वे सब तेरी सहायता का अनुभव करें जो विनम्रता से सहायता माँगें ।

पु. : तू हमारे लिए ही बनी है ओ माँ - आश्रयदायी

सब : आवश्यकता और कष्ट में सहायक हो ।

पु. : हम प्रार्थना करें -

हे प्रभु, येसु ख्रीस्त, तूने अपनी माता को हमारी भी

माता बनाया है । इसलिये वह हमारी सहायता करने को तैयार रहती है । हम उसकी तस्वीर के सामने यहाँ उपस्थित हैं । हमारी प्रार्थना है कि उसकी सहायता व निवेदन द्वारा हम तेरी मुक्ति के फल सदा प्राप्त करते रहें । हे प्रभु हम तुझसे निवेदन करते हैं जो युगानुयुग जीता और राज्य करता है

सब : आमेन ।

7. माँ मरियम

ओ माँ मरियम तेरा नाम
सारे जग में धन्य है

1. पापी हैं हम ओ माँ मरियम कर प्रार्थना,
   तेरी दया से ले जायें नैया पापों के पार ।।

2. ओ माँ मरियम तू ही माँ भगवान की,
   साचे हृदय से तेरी प्रशंसा करता संसार ।।

3. जो भी आया ओ माँ मरियम तेरी शरण,
झोली में उसकी डालीं हैं तूनें ख़ुशियाँ हज़ार ।।

८. सूचना और आदेश

(मौन प्रार्थना)

९. स्मरणिका

हे अतिपावन कुआँरी माँ, ऐसा कभी नहीं सुना कि जो तेरे पास सुरक्षा के लिए आया हो, सहायता के लिए आया हो या जिसने मध्यस्थता माँगी हो उसे कभी तेरी सहायता न मिली । इसी विश्वास से हम तेरे पास दौड़े आये हैं ओ कुआँरियों में सर्वश्रेष्ठ माता । तेरे पास हम आये । तेरे सामने खड़े हैं । पापों से घिरे और दुःखी । हे प्रभु, हमारी प्रार्थना न ठुकरा, परन्तु दया के लिए हमारी विनती सुन और जवाब दे - आमेन ।

10. परम प्रसाद की भक्ति

दयावान प्रभु जिसकी दयाएं असंख्य हैं जिसकी भलाइयाँ अनन्त हैं तुम अपने भक्तों में रहते हो अनेक रूप में - और हमारे साथ रहते हो हर दिन । यहाँ तक कि जीवन के अन्त तक भी । अपनी दयालु उपस्थिति से हमारे मस्तिष्क को निर्देशित करो अपने जागृत प्रेम से हमारा मार्ग प्रशस्त करो । अपनी शक्तिशाली बाहों से हमें हमारे दुःखों, ख़तरों और पापों से बचाओ ताकि हम इस धरती पर हमेशा तुम्हारे साथ और तुम में रह सकें और तुम्हारे स्वर्गराज में सदा-सदा तुम्हारा अनुभव कर सकें -

11. बीमारों के लिए प्रार्थना

पु. : प्रभु के नाम में हमारा कल्याण है ।

सब : उसीने स्वर्ग और पृथ्वी को बनाया है ।

पु. : हे प्रभु मेरी प्रार्थना सुन ले ।

सब : मेरी पुकार तेरे पास पहुंचे ।

पु. : प्रभु आप लोगों के साथ हो ।

सब : और आपके साथ भी ।

हम प्रार्थना करें

हे प्रभु परमेश्वर, अपने इन सेवकों को सदा तन-मन से स्वस्थ रहने का आनन्द प्रदान कर, और नित्य कुंआरी मरिया की प्रार्थना द्वारा हमको इस लोक के दु:ख से मुक्त होकर अनन्त सुख भोगने दे । हमारे प्रभु येसु ख्रीस्त के द्वारा । आमेन ।

पु. : (हाथ बढ़ाकर)

प्रभु येसु ख्रीस्त आपके साथ हो और आपकी रक्षा करे । वह आपमें निवास करे और आपको

सुरक्षित रखे । वह आपके आगे चले और आपको मार्ग दिखाये । वह आपके पीछे रहे और आपको संभाले । वह आपके ऊपर विराजमान हो और आपको आशीर्वाद दे । पिता और पुत्र और पवित्र आत्मा के नाम पर ।

नित्य सहायक माता की मध्यस्थता द्वारा मैं आपको आशीर्वाद देता हूँ पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा के नाम पर । वे आप पर उतरें और सदा सर्वदा आपके साथ रहे । आमेन ।

12. माँ, मेरी माँ

माँ, मेरी माँ, प्रभु की माँ
हर मानव की सहायिनी